(घ) क्या इन पदों पर नियुक्ति करने हेतु इस मंत्रालय के वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक, जो उपयुक्त योग्यता, तथा अनुभव रखते हैं, पर भी विचार किया गया था ; और

(ङ) यदि नहीं, तो उस के क्या कारण हैं ?

पेट्रोलियम, रसायन तथा उर्वरक मंत्री (श्री पा० शिवशंकर) : (क) विदेश स्थित हमारे मिशनों में 1100–1600 रु० के वेतनमान में हिन्दी अधिकारियों के दो संवर्ग-बाह्य पद एक पोर्ट लुई में 6–11–80 से और दूसरा पोर्ट आफ स्पेन में 19–10–81 से खाली हैं ।

(ख) अभी तक भर्ती नियम नहीं बने हैं । 1100–1600 रु० के वेतनमान मे हिन्दी अधिकारियों के रिक्त पदों के लिए साक्षात्कार लिया गया था, न कि 650–1200 रु० के वेतनमान में । चयन समिति की सिफारिशों पर विचार किया जा रहा है ।

(ग) इन पदों के लिए आवेदन पत्र मंगवाते समय आवश्यक शक्षिक अर्हताएं और अनुभव निर्धारित किये गए थे ।

(घ) और (ङ) 650–1200 रु० के वेतनमान में काम करने वाले एक अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) और एक हिन्दी अधिकारी के नामों पर चयन समिति द्वारा विचार किया गया था । लेकिन 550–900 रु० के वेतनमान में काम करने वाले "वरिष्ठ हिन्दी अनुवाद" आदि इन पदों के लिए पात्र नहीं थे ।

ऐसे पत्तन जहां जहाजरानी संबंधी कार्य कमीशन एजेन्टों द्वारा सम्भाला जाता है

7401. **श्री दौलत राम सारण** : क्या **नौवहन और परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में ऐसे कौन कौन से पत्तन हैं, जहां जहाजरानी संबंधी सम्पूर्ण कार्य भारतीय जहाजरानी निगम द्वारा स्वतः ही सम्भाला जाता है तथा ऐसे कौन कौन से पत्तन है जहां कमीशन एजेन्टों को लाइसेंस दिए गए हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि उक्त निगम ने श्री एम० एच० सईद यूसुफ और उसके सम्बद्ध लोगों को मद्रास पत्तन पर कमीशन एजेन्टों के रूप में नियुक्त किया है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि वे एम० वी० चिदाम्बरम यात्री जहाज में केन्टीन चला रहे है, जो कि नियमों का उल्लघन है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि श्री सईद यूसुफ विभिन्न नामों से अनेक बेनामी सम्बद्ध फर्म चला रहे हैं और क्या उसके विरुद्ध मंत्रालय तथा जहाजरानी निगम में कई शिकायतें प्राप्त हुई है ; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उन पर सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

नौवहन और परिवहन मंत्री (श्री वीरेन्द्र पाटिल) : (क) बम्बई और कलकत्ता के पत्तनों पर संपूर्ण नौवहन कारोबार भारतीय नौवहन निगम स्वयं करता है । नीचे लिखे पत्तनों पर आने वाले जहाजों से माल उतारने-चढ़ाने का कार्य तथा माल के निर्यात संबंधी मार्केटिंग और कन्वेंसिंग का काम भारतीय नौवहन निगम द्वारा नियुक्त एजेन्टों द्वारा किया जाता है :

एल्लेपी, भावनगर, कालीकट, कोचीन, कुड्डालोर, जामनगर, काकीनाड़ा, कांडला, कारवाड़, मद्रास, मंगलौर, मार्मुगाव, नागपट्टीनम, नवलखी, परादीप, पोरबन्दर पोर्टरेडी, कीलोन रामेश्वरम, तूतीकोरिन, वेरावल और विशाखापत्तनम ।

(ख) निगम ने मद्रास में मैसर्स के0 पी0 एस0 शेख मुहम्मद रौथर एण्ड कम्पनी प्रा0 लिमिटेड को अपना एजेन्ट नियुक्ति किया हुआ है। श्री एस0 एच0 सैयद युसुफ कंपनी के निदेशक है।

(ग) 'एम० वी० चिदाम्बरम' जहाज पर जहाजी कार्मिकों और यात्रियों के लिए रसद का प्रबंध करने का काम मैसर्स के0 पी0 वी0 शेख मुहम्मद रौथर एण्ड कंपनी प्रा0 लिमिटेड को सौंपा गया है और यह नियमों के विरुद्ध नहीं है।

(घ) और (ङ): भारतीय नौवहन निगम की सूचना के अनुसार मैसर्स हारबुर इंजीनियरिंग के निदेशक श्री सैयद युसुफ हैं। जहाज मरम्मत करने की यह फर्म मद्रास में है जिस से निगम अपने जहाजों की मरम्मत का कुछ कार्य करवाता है। भारतीय नौवहन निगम का एजेन्सी कार्य, मद्रास की मैसर्स शेख मुहम्मद रौथर एण्ड कंपनी को दिए जाने के बारे में मंत्रालय में कुछ शिकायतें प्राप्त हुई है। भारतीय नौवहन निगम के परामर्श से इस मंत्रालय में मामले की जांच की गयी थी। शिकायतें किन्हीं तथ्यों पर आधारित नहीं थीं। फिर यह भी समझा गया कि एक वाणिज्यिक उपक्रम के नाते यह भारतीय नौवहन निगम के हित में होगा कि मौजूदा व्यवस्था जारी रखी जाए। इस संबंध में, एक नोट संलग्न है जिसमें फर्म के विरुद्ध लगाए गए विभिन्न आरोपों की स्थिति स्पष्ट की गयी है। [ग्रन्थालयों में रखा गया देखिये संख्या एल टी0-3879/82]

Loss incurred by State Road Transport Units

7402. SHRI NARAYAN CHOUBEY: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) is it a fact that State Road Transport Units in various States are incurring heavy loss in every year; and

(b) what measures do the Government propose to take in the matter of stopping recurring losses?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI SITA RAM KESRI): (a) Yes, Sir.

(b) The Government is examining various administrative, operational and financial measures to reduce the losses. These measures which include among others realistic fare-structure, proper inventory control, fuel, economy, rational route-patterns and easy and quick availability of funds are being thought of within the overall policy of rationalisation and with the objective of providing economic transport facilities for commuters all over the country.

Financial assistance for improving the conditions of roads in Madhya Pradesh

7403. SHRI SUBHASH YADAV: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it has come to the notice of the Government that in Madhya Pradesh State, which is surrounded by other States, vehicular traffic of all these States crosses;

(b) whether it is also a fact that due to the single lane roads in black soil, the traffic jamps up on most of the important routes particularly during the rainy season;

(c) whether Central Government propose to provide subsidy to Madhya Pradesh Government to improve the conditions of all the roads in that State; and

(d) if not, the reasons thereof?